भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2303

जिसका उत्तर 7 अगस्त, 2026 को दिया जाना है ।

16 श्रावण, 1948 (शक)

निर्यात के लिए डेटा केंद्र एवं क्लाउड सेवाएँ

2303. श्रीमती माया नारोलियाः
श्री मयंककुमार नायकः
श्री शंभू शरण पटेलः
श्री सुरेन्द्र सिंह नागरः
डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंहः
श्री राजेश परमानंद शुक्ल:

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने डेटा केंद्रों और क्लाउड सेवाओं को वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) के समान एक निर्यात क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया है;
(ख) यदि हाँ, तो वर्ष 2030 तक भारत-आधारित क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अवसंरचना से अनुमानित कितनी निर्यात राजस्व और विदेशी मुद्रा आय प्राप्त होने की संभावना है; और
(ग) भारत से विदेशी ग्राहकों को सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए वैश्विक क्लाउड सेवा प्रदाताओं को आकर्षित करने हेतु कौन-से नीतिगत उपाय प्रस्तावित किए गए हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ग): डेटा सेंटर समग्र डिजिटल इंडिया इन्फ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम का एक महत्वपूर्ण और अभिन्न अंग हैं। भारत में डेटा सेंटर उद्योग स्थिर गति से बढ़ रहा है। एआई और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग की तेजी से वृद्धि देश में डेटा सेंटर क्षमता की बढ़ती मांग को बढ़ा रही है।

सरकार ने 31 मार्च 2023 को विदेश व्यापार नीति को अधिसूचित किया है। नीति के अध्याय 6 में निर्यातोन्मुखी इकाइयों (ईओयू) को शामिल किया गया है, जिसमें वस्तुओं के निर्माण और सॉफ्टवेयर विकास, आईटी-सक्षम सेवाओं (आईटीईएस) और अन्य प्रमुख सेवाओं आदि जैसी सेवाओं के प्रतिपादन में कार्यरत इकाइयां शामिल हैं।

वाणिज्य विभाग, भारत सरकार के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार, आईटी सेवाओं पर डेटा "दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाओं" की व्यापक श्रेणी के तहत कैप्चर किया जाता है। क्लाउड सेवाओं के निर्यात को इस श्रेणी में शामिल किया जाता है और इसलिए उन्हें अलग से वर्गीकृत नहीं किया जाता है।

वर्ष 2025 में, आईटी सेवाओं के वैश्विक निर्यात का मूल्य 1418.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो कुल वैश्विक सेवा निर्यात का 14.7% था। भारत की आईटी सेवाओं का निर्यात वर्ष 2025 में 136.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो वैश्विक आईटी सेवाओं के निर्यात का 9.6% है। भारत वैश्विक स्तर पर आईटी सेवाओं का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बना हुआ है।

डेटा केंद्रों को अवसंरचना उप क्षेत्रों (अक्टूबर 2022) की समन्वित सूची में शामिल किया गया है, जिससे वित्त तक आसान पहुंच संभव हो जाती है। केंद्रीय बजट 2026-27 में, सरकार ने इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए भारत के डेटा केंद्रों का उपयोग करके वैश्विक स्तर पर क्लाउड सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों के संबंध में एक दीर्घकालिक घोषणा की है।

विभिन्न राज्यों ने व्यवसाय को बढ़ावा देने करने के लिए डेटा सेंटर नीतियां प्रस्तुत की हैं। ये नीतियां मुख्य रूप से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) और उद्योग-तैयार अवसरंचना के निर्माण पर केंद्रित हैं।

*****